

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सत्र – २

परीक्षा : मई – २०२४

विषय : पाश्चात्य साहित्यशास्त्र एवं आलोचना (HC - 201)

दि.: १५/०५/२०२४

कुल अंक : १००

समय : प्रातः १०.०० से दो. १.००

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

- प्र. १ पाश्चात्य साहित्य के विकास क्रम का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
- प्र. २ विरेचन सिद्धान्त की व्याख्या सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए ।
- प्र. ३ क्रोचे की कलाविषयक धारणाओं पर प्रकाश डालिए ।
- प्र. ४ समन्वयवादी आलोचना पर प्रकाश डालिए ।
- प्र. ५ लोजांइनस का परिचय प्रस्तुत कीजिए ।
- प्र. ६ अनुकरण सिद्धान्त के स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।
- प्र. ७ यथार्थवाद को विशद कीजिए ।
- प्र. ८ बिंबों का वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए ।
- प्र. ९ स्वच्छंदतावादी आलोचना पर प्रकाश डालिए ।
- प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।
१. रिचर्ड्स का संप्रेषण सिद्धान्त में योगदान
 २. प्रतीकों का वर्गीकरण
 ३. होरेस का परिचय
 ४. आदर्शवाद ।